दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

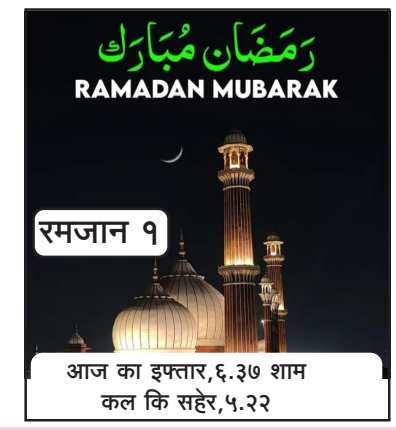

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-२०९ वा रविवार २ मार्च २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

अजितदादा पवार के नेतृत्व में बीड जिले का होगा कायापलट

बीड विधानसभा क्षेत्र से सबसे अधिक सदस्यता दर्ज करने का लक्ष्य

डॉ.योगेश क्षीरसागर का प्रतिपादन; बीड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता अभियान शुरू

बीड। प्रतिनिधी

उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार के नेतृत्व में बीड जिले का विकास तेजी से होगा। अब बीड जिले का कायापलट होना तय है, क्योंकि उनके मार्गदर्शन में पार्टी संगठन को भी मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने बीड विधानसभा क्षेत्र से सबसे अधिक सदस्यता दर्ज कराने की अपील की है।

सदस्यता अभियान की शुरुआत शनिवार (१ मार्च) को बीड के के.एस.के. महाविद्यालय के सभागार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर डॉ. योगेश क्षीरसागर ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी भी मंच पर उपस्थित थे।

पार्टी संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य डॉ. योगेश क्षीरसागर ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का काम लगातार जारी है। बीड लोकसभा और विधानसभा चुनाव के परिणाम अपेक्षित नहीं थे, लेकिन हमने हार को स्वीकार कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। अजितदादा पवार एक कुशल नेतृत्वकर्ता हैं और उनके मार्गदर्शन में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

जात-पात और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर वे विकास के लिए काम कर रहे हैं। बीड जिले को मिलेगा विशेष अधिकारी डॉ. क्षीरसागर ने कहा कि अब बीड जिले के विकास को कोई रोक नहीं सकता, क्योंकि पालक मंत्री पद अजितदादा पवार के पास है। बीड में बेहतर प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति होगी। बीड के लिए विशेष अधिकारी की तैनाती की जाएगी, जिससे जिले का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। राज्य के अन्न और नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे के मार्गदर्शन में बीड विधानसभा क्षेत्र से सबसे अधिक पार्टी सदस्यता दर्ज कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन प्रा. पांडुरंग सुतार ने किया, जबकि अशोक इंगळे ने उद्घाटन भाषण दिया। इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संतोष देशमुख हत्या प्रकरण में वाल्मीकि कराड मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया

बीड़, १ मार्च (प्रतिनिधि) - महाराष्ट्र में सनसनी फैलाने वाले मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख हत्या प्रकरण में अब मुख्य आरोपी के रूप में वाल्मीकि कराड का नाम सामने आया है। इस मामले में सीआईडी द्वारा दायर आरोपपत्र में आरोपी क्रमांक १ के रूप में वाल्मीकि कराड का उल्लेख किया गया है।

सीआईडी ने संतोष देशमुख हत्या प्रकरण और उससे जुड़े अन्य दो मामलों का एकत्रित आरोपपत्र दो दिन पहले दाखिल किया था। इस आरोपपत्र में वाल्मीकि कराड को प्रमुख आरोपी बताया गया है। सीआईडी की जांच के अनुसार, संतोष देशमुख खंडणी (रंगदारी) के रास्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसकी हत्या करवाई गई। पहले वाल्मीकि कराड को केवल खंडणी के मामले में आरोपी बनाया गया था, लेकिन बाद में सीआईडी जांच में हत्या की साजिश में उसकी भूमिका सामने आने के बाद उसे हत्या के मामले में भी आरोपी बनाया गया। अब आरोपपत्र में उसे मुख्य आरोपी ठहराए जाने से उसकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अन्य आरोपियों के नाम: वाल्मीकि कराड के अलावा इस मामले में विष्णु चाटे, सुदर्शन घुले, प्रतीक घुले, जयराम चाटे, सुधीर सांगळे और कृष्णा आंधळे सहित अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

सबूत और जांच:

गोपनीय गवाहों के बयान

संतोष देशमुख पर हमले के दौरान किए गए वीडियो कॉल का रिकॉर्ड सीआईडी के आरोपपत्र के मुताबिक, वाल्मीकि कराड ने ही संतोष देशमुख की हत्या करने का आदेश दिया था। खंडणी (रंगदारी) वसूली में बाधा बनने के कारण संतोष देशमुख को रास्ते से हटाने की साजिश रची गई और इस हत्या को अंजाम दिया गया।

शक्ति बिल को नई संशोधनों के साथ फिर से बजट सत्र में पेश किया जाएगा: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

महिलाओं पर बढ़ते अपराधों को लेकर विपक्ष हमलावर, शक्ति बिल पास न होना महायुति सरकार की विफलता-विजय वडेट्टीवार

मुंबई, १ मार्च (अज़ीज़ अज़ाज) - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि महिला सुरक्षा कानून (शक्ति बिल) की कुछ धाराएं सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और अन्य कानूनों से टकरा रही थीं।

फडणवीस ने बताया कि इस बिल की कई धाराएं भारतीय न्यायिक संहिता (खझउ) में पहले से ही शामिल हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने शक्ति बिल का मसौदा राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था, लेकिन कुछ तकनीकी खामियों के कारण केंद्र सरकार ने इसे वापस लौटा दिया।

शक्ति बिल पर पुनर्विचार, बजट सत्र में होगा पेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिल की फिर से समीक्षा की जाएगी, और यदि आवश्यक हुआ तो इसमें नई धाराएं जोड़ी जाएंगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बजट सत्र में इस बिल को दोबारा पेश किया जाएगा।

स्वारगेट बस डिपो कांड की जांच जारी

फडणवीस ने कहा कि पुणे के स्वारगेट बस डिपो में हुए भयावह हादसे की गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक परीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, आज राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने पुणे के स्वारगेट बस स्टैंड का निरीक्षण किया।

विपक्ष का हमला: सरकार की नाकामी, शक्ति बिल को दोबारा लाने की मांग

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सरकार से मांग की कि बजट सत्र में शक्ति बिल को फिर से पेश किया जाए।

उन्होंने कहा, महाविकास अघाड़ी सरकार ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ शक्ति बिल को विधानसभा में पास किया था, लेकिन राष्ट्रपति की मंजूरी न मिलने के कारण इसे वापस लेना पड़ा। यह महायुति सरकार की विफलता है।

महिलाओं पर बढ़ते अपराधों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा,

ऐसे समय में शक्ति कानून की सख्त जरूरत है। फिर भी, राष्ट्रपति ने इस पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? यह निराशाजनक है। सरकार को इसे संशोधित कर दोबारा पेश कर जल्द से जल्द राष्ट्रपति को भेजना चाहिए।

महायुति सरकार के मंत्रियों के बयानों पर सवाल

वडेट्टीवार ने महायुति सरकार के मंत्रियों के बयानों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा,

गृह राज्य मंत्री योगेश कदम और राज्य मंत्री संजय सावकारे ने जो बयान दिया कि 'कानून केवल उनके ही बचाव के लिए है', यह क्या संकेत देता है? जब किसी महिला पर अत्याचार होता है, तो पीड़िता से सवाल करना अपराधियों का समर्थन करने जैसा है। क्या उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री इन बयानों से सहमत हैं?

महिला सुरक्षा को लेकर सरकार की गंभीरता पर सवाल उठाते हुए वडेट्टीवार ने सरकार से शक्ति बिल को तुरंत लागू करने की मांग की।

बीड़ शहर में तरावीह की नमाज के समय घोषित

बीड़, १ मार्च (प्रतिनिधि) - माह-ए-रमजान की शुरुआत के साथ ही बीड़ शहर की विभिन्न मस्जिदों में तरावीह की नमाज के लिए अज़ान और जमात के समय घोषित किए गए हैं। शहर की प्रमुख मस्जिदों में निम्नलिखित समय पर तरावीह की नमाज अदा की जाएगी।

मस्जिद कादर पाशा (जुना बाजार) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

मस्जिद सदरपुरा लोहार गली - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद शाह अबू बकर - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

मस्जिद महबूबिया (कोतवाली दरवाजा) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

जामा मस्जिद - अज़ान ८:३० बजे, जमात ८:४५ बजे

मस्जिद नुसरत (खानकाह) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

मस्जिद अक्सा (शहंशाह नगर) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद गरीब नवाज - अज़ान ८:३० बजे, जमात ८:४५ बजे

नूरी मस्जिद (अजीजपुरा) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

तकिया मस्जिद - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

झाड़ा मस्जिद (अजीजपुरा) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

बारादरी मस्जिद (इस्लामपुरा) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

यकमिनार मस्जिद (बाले पीर) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

कुलसुम मस्जिद (दूध डेयरी) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

आरिफ शाह मस्जिद (मोहम्मदिया कॉलोनी) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:४५ बजे

मस्जिद सालार जंग - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद यासीन (नालबंद गली) - अज़ान ७:५० बजे, जमात ८:०५ बजे

मेराज मस्जिद (शहंशाह नगर) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद बनौबी (जुना बाजार) - अज़ान ७:४५ बजे, जमात ८:०० बजे

मस्जिद काजी कमान - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद कुबा (आसिफ नगर) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

कादरिया मस्जिद (बारशी नाका) - अज़ान ८:०० बजे, जमात ८:१५ बजे

मस्जिद भालदारपुरा चौक - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

मस्जिद उमर (मोमिनपुरा) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

मस्जिद उम्मुल कुरै (ज़म कॉलोनी) - अज़ान ८:१५ बजे, जमात ८:३० बजे

शहर के सभी मुस्लिम नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे तरावीह की नमाज के लिए निर्धारित समय पर मस्जिद में पहुंचें और रमजान की बरकतों से अधिकतम लाभ उठाएं। मस्जिद प्रशासन ने सभी नमाजियों से अनुशासन बनाए रखने और रमजान के इस पवित्र महीने में शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

लिंबागणेश में प्रशांत कोरटकर के खिलाफ जूते मारो आंदोलन

लिंबागणेश, १ मार्च (वार्ताहर) - छत्रपती शिवाजी महाराज के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक बयान देकर शिव प्रेमियों की भावनाओं को आहत करने वाले प्रशांत कोरटकर की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग को लेकर लिंबागणेश में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

यह आंदोलन सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे के नेतृत्व में किया गया, जिसमें प्रशांत कोरटकर की तस्वीर को जूते मारकर उनका कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को फोन पर धमकी देते समय प्रशांत कोरटकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति संभाजी महाराज और राजमाता जिजाऊ के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए थे। इस घटना को लेकर पूरे महाराष्ट्र में आक्रोश फैल गया है। प्रशांत कोरटकर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री व गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से इस मामले में तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, जिलाधिकारी और बीड़ पुलिस अधीक्षक के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

विरोध प्रदर्शन में शामिल लोग:

इस विरोध प्रदर्शन में राजेभाऊ गिरे, सरपंच बालासाहेब जाधव, सेवा सोसायटी चेयरमैन रविंद्र निर्मळ, अशोक वाणी, विक्रांत वाणी, एडवोकेट गणेश वाणी, बाळकृष्ण थोरात, भगवान मोरे, लक्ष्मण वाणी, भालचंद्र गिरे, दादा गायकवाड़, नामदेव वाणी, सौरभ जाधव, रत्नाकर वाणी, संजय पावले, अशोक जाधव, पांडुरंग कानडे, कृष्णा कानडे, हनुमंत निर्मळ सहित कई लोग शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशांत कोरटकर की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसे बयान सहन नहीं किए जाएंगे।

महाराष्ट्र कांग्रेस विधिमंडल पदाधिकारियों की नियुक्ति को मिला 'मुहूर्त'!

अमीन पटेल बने विधानसभा में उपनेता, अमित देशमुख मुख्य प्रतोद, सतेज पाटील विधान परिषद के गटनेता नियुक्त

जमीर काज़ी

मुंबई, १ मार्च - महाराष्ट्र कांग्रेस, जो विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निराशा में थी, अब विधिमंडल में अपने पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर आगे बढ़ गई है।

अमीन पटेल को कांग्रेस का विधानसभा उपनेता, पूर्व मंत्री अमित देशमुख को मुख्य प्रतोद (मुख्य सचेतक) और सतेज पाटील को विधान परिषद के गटनेता के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्तियां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंजूरी के बाद की गई हैं। इसकी जानकारी महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने दी।

चार महीने से अटकी नियुक्तियों को मिली मंजूरी

सोमवार से बजट सत्र शुरू हो रहा है, इसी पृष्ठभूमि में लगभग चार महीने से रुकी हुई इन

नियुक्तियों की घोषणा की गई।

लोकसभा में मिली सफलता, विधानसभा में निराशा

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र में १४ सांसद (एक बागी समेत) जिताए, लेकिन विधानसभा में सिर्फ १६ विधायक जीतने से पार्टी में निराशा का माहौल था।

प्रदेश कांग्रेस संगठन में बदलाव के बाद नई नियुक्तियां

पिछले पंद्रह दिनों में हर्षवर्धन सपकाळ को प्रदेश अध्यक्ष और विजय वडेट्टीवार को विधानसभा में कांग्रेस का गटनेता बनाया गया था। इसके बाद कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए बैठकों का आयोजन किया। अब विधिमंडल में पदाधिकारियों की घोषणा भी कर दी गई।

अन्य नियुक्तियां

विधानसभा में: सचिव: डॉ. विश्वजीत कदम, प्रतोद (सचेतक): शिरीषकुमार नाईक और संजय मेश्राम

विधान परिषद में: गटनेता: सतेज उर्फ बंटी पाटील, मुख्य प्रतोद: अभिजीत वंजारी, प्रतोद: राजेश राठौड़, 'कम विधायक, लेकिन जोश बरकरार' - कांग्रेस, कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने कहा, विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की संख्या कम हो गई है, लेकिन जोश और ऊर्जा बनी हुई है। पार्टी जनता के हित के मुद्दे सदन में उठाएगी और सत्ताधारी दल को जवाबदेह बनाएगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व की टीम सरकार को घेरने और विपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंबाजोगाई कृषि तंत्र विद्यालय के वसतिगृह के लिए ३० करोड़ का फंड मंजूर

आ. नमिता मुंदडा के प्रयासों को सफलता

अंबाजोगाई, १ मार्च (प्रतिनिधि) – अंबाजोगाई स्थित कृषि तंत्र विद्यालय के विद्यार्थियों और छात्राओं के लिए नए वसतिगृह (छात्रावास) भवनों के निर्माण हेतु ३० करोड़ रुपये के फंड को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इसमें से २ करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी करने की भी सरकार ने मंजूरी दे दी है। यह फंड महाराष्ट्र सरकार के वसंतराव नाईक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ के अंतर्गत उपलब्ध कराया गया है। केज विधानसभा क्षेत्र की विधायक नमिता मुंदडा ने इस फंड की मंजूरी के लिए लगातार प्रयास किया था। उनके सतत प्रयासों और शासन स्तर पर की गई मांग के बाद सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधा

आ. नमिता मुंदडा लंबे समय से कृषि तंत्र विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक और सुरक्षित वसतिगृह की मांग कर रही थीं। इसके लिए उन्होंने शासन स्तर पर कई पत्र व्यवहार और लगातार फॉलो-अप किया। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और छात्राओं के लिए अलग-अलग १४.८७ करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी दी गई।

सरकार ने प्रत्येक वसतिगृह के लिए १-१ करोड़ रुपये (कुल २ करोड़ रुपये) की पहली किस्त जारी करने की स्वीकृति २७ फरवरी को दी है। इस निर्णय से अंबाजोगाई में विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय आवासीय सुविधाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

शासन की कृषि शिक्षा पर विशेष नजर

अंबाजोगाई में कृषि क्षेत्र के विकास, तकनीकी सुधार और विद्यार्थियों को अच्छी सुविधाएं देने के उद्देश्य से सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। कृषि शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने पूंजीगत निधि (कैपिटल फंड) को मंजूरी दी है और संबंधित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार द्वारा मंजूर किए गए फंड को समय पर वितरित कर निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे। नए वसतिगृह बनने के बाद विद्यार्थियों को सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास मिलेगा, जिससे कृषि शिक्षा के स्तर में सुधार होने की उम्मीद है।

विधायक नमिता मुंदडा ने किया सरकार का आभार व्यक्त

इस महत्वपूर्ण निधि को मंजूर कराने में सहयोग के लिए विधायक नमिता मुंदडा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे और पंकजा मुंडे का आभार व्यक्त किया। सरकार के इस फैसले से अंबाजोगाई कृषि तंत्र विद्यालय के विद्यार्थियों को बड़ा लाभ मिलेगा और क्षेत्र में कृषि शिक्षा के विकास को नई दिशा मिलेगी।

आरटीई के तहत गरीब छात्रों के प्रवेश पर धनाढ्यों का कब्जा, फर्जी दस्तावेजों से कराया एडमिशन

मनोज जाधवने जिलाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी से की शिकायत

बीड, १ मार्च (प्रतिनिधि) – महाराष्ट्र में शिक्षा के अधिकार (ठढए) कानून के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के छात्रों को मुफ्त शिक्षा का लाभ दिलाने के लिए प्रवेश प्रक्रिया चलाई जाती है। लेकिन इस प्रक्रिया में वास्तविक जरूरतमंद छात्रों को वंचित रखा जा रहा है, जबकि धनाढ्य लोग फर्जी दस्तावेजों के जरिए सीटें हड़प रहे हैं।

शहर की पोदार इंग्लिश स्कूल, गुरुकुल इंग्लिश स्कूल और संत ज्ञानेश्वर इंग्लिश स्कूल में प्रवेश पाने के लिए अभिभावकों ने अपडेट किए गए आधार कार्ड, फर्जी किरायानामा और आय प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया है।

शिकायत और जांच की मांग

आरटीई कार्यकर्ता एवं शिवसंग्राम युवा नेता मनोज जाधव ने जिलाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और शिक्षा अधिकारी से इस मामले की जांच करने और फर्जी प्रवेश को रद्द करने की मांग की है।

कैसे किया गया फर्जीवाड़ा?

आधार कार्ड: कुछ अभिभावकों ने हाल ही में अपडेट किए गए आधार कार्ड का उपयोग कर गलत पते दर्ज किए।

किरायानामा: फर्जी किरायानामा प्रस्तुत कर यह दिखाया गया कि वे गरीब परिवारों से हैं।

आय प्रमाण पत्र: आवेदन पत्र जमा करने से पहले जारी किए गए आय प्रमाण पत्रों का उपयोग किया गया, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति को गलत तरीके से कमजोर दिखाया गया।

जांच के लिए उठाए जाने वाले कदम

मनोज जाधव ने मांग की है कि–

१. तालुका स्तरीय चयन समिति को पिछले एक महीने में अपडेट किए गए आधार कार्डों की गहन जांच करनी चाहिए।

२. जिस पते पर आधार कार्ड बना है, उसके अतिरिक्त एक और रेजिडेंस प्रूफ की मांग की जाए।

३. फर्जी किरायानामा जमा करने वाले अभिभावकों के घरों का निरीक्षण किया जाए कि वे वास्तव में वहां रहते हैं या नहीं।

४. आय प्रमाण पत्र केवल आवेदन जमा करने से पहले का ही मान्य किया जाए। आरटीई प्रवेश प्रक्रिया के लिए समय सीमा बढ़ी

बीड जिले की २१४ निजी स्कूलों में आरटीई के तहत २,२३५ सीटें उपलब्ध थीं, जिनके लिए ५,७८१ आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से २,१८३ छात्रों को मुफ्त प्रवेश के लिए चुना गया।

पहले इन छात्रों को १४ फरवरी से २८ फरवरी तक प्रवेश लेने का समय दिया गया था, लेकिन अब इस समय सीमा को बढ़ाकर १० मार्च कर दिया गया है।

अब तक जिले में १,२४६ छात्रों का प्रवेश निश्चित हो चुका है।

मनोज जाधव ने कहा कि अगर सख्त जांच नहीं की गई तो असली गरीब और जरूरतमंद बच्चों का हक मारा जाएगा, इसलिए फर्जी प्रवेश को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए।

एकनाथ शिंदे के फैसले पर फिर फडणवीसने लगाया ब्रेक!

स्वास्थ्य विभाग के ३२०० करोड़ रुपये के कार्यों पर रोक

मुंबई, १ मार्च (जमीर काजी) – महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रही 'शीत युद्ध' (कोल्ड वॉर) का एक और उदाहरण सामने आया है। इस बार फडणवीस ने शिंदे सरकार के कार्यकाल में लिए गए एक और निर्णय पर रोक लगा दी है।

सूत्रों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के ३,१९० करोड़ रुपये के ठेकों को फिलहाल रोक दिया गया है। यह ठेके सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों में सफाई कार्यों के लिए दिए गए थे।

क्या है मामला?

शिंदे सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने पुणे की एक निजी कंपनी को अस्पतालों में यांत्रिक सफाई का ठेका दिया था। आरोप है कि इस कंपनी को काम का कोई अनुभव नहीं था, फिर भी उसे यह ठेका सौंपा गया।

३० अगस्त २०२४ को इस कंपनी को तीन साल के लिए ३,१९० करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, जिसमें सालाना ६३८ करोड़ रुपये खर्च होने थे।

अब इस फैसले को मुख्यमंत्री फडणवीस ने रोक दिया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

शिंदे सरकार में अनियमितताओं पर एक और कार्रवाई

फडणवीस के इस कदम को शिंदे सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार पर कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत के कार्यकाल में अधिकारियों के तबादलों, एंबुलेंस खरीद और अन्य मामलों में घोटाले होने की शिकायतें मिली थीं।

विपक्ष की प्रतिक्रिया – 'शिंदे सरकार में सिर्फ भ्रष्टाचार!'

ठाकरे गुट के नेता संजय राउत और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने इस निर्णय का स्वागत किया।

संजय राउत ने कहा, शिंदे सरकार के कार्यकाल में कोई काम नहीं हुआ, केवल भ्रष्टाचार ही हुआ। फडणवीस ने सही फैसला लिया है।

रोहित पवार ने कहा, शिंदे सरकार में स्वास्थ्य मंत्री कौन थे और उनके कार्यकाल में कितने घोटाले हुए, यह सबको पता है। भाजपा ऐसे भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध कर रही थी। अब फडणवीस इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं, तो हम उनका समर्थन करते हैं।भविष्य में और भी फैसलों पर लग सकती है रोक?

इस फैसले से यह साफ हो गया है कि फडणवीस सरकार शिंदे के कार्यकाल में हुए विवादित फैसलों की समीक्षा कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आने वाले दिनों में शिंदे सरकार के अन्य फैसलों पर भी इसी तरह रोक लगाई जाएगी।

परळी में वृद्ध महिला से लूट, भीड़भाड़ वाले इलाके में दिनदहाड़े वारदात

परळी वैजनाथ, १ मार्च (प्रतिनिधि) – परळी शहर में अपराधों की बढ़ती घटनाओं के बीच एक और मामला सामने आया है। शहर के व्यस्त मोंढा मार्केट इलाके में एक वृद्ध महिला को दिनदहाड़े लूट लिया गया।

यह घटना २८ फरवरी की सुबह तब हुई, जब धनगर नगर निवासी कोडाबाई लिंबाजी सरोदे (६५ वर्ष) किराना सामान खरीदने के लिए बाजार आई थीं। अज्ञात बदमाशों ने महिला की नथ, मणी-मंगळसूत्र और नकदी ७०० रुपये समेत कुल २७,७०० रुपये की लूट की।

कैसे हुई वारदात?

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक युवक वृद्ध महिला के पैरों से टकराकर गिरने का नाटक करने लगा और भाग गया। इसी दौरान, दूसरे युवक ने महिला के गले से ४ ग्राम वजन का मणी-मंगळसूत्र (कीमत लगभग २०,००० रुपये), कमर में पोटली में रखी १.५ ग्राम सोने की नथ (कीमत लगभग ७,००० रुपये) और ७०० रुपये नकद चुरा लिए।

परळी में अपराधों का बढ़ता ग्राफ

परळी शहर के मोंढा बाजार क्षेत्र में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर चोर गिरोह लगातार वारदातों को अंजाम दे रहा है। पुलिस को लगातार ऐसी घटनाओं की शिकायतें मिल रही हैं, जहां जेबतराश और ठग भीड़ का फायदा उठाकर लोगों की संपत्ति लूट रहे हैं।

मामले में पुलिस कार्रवाई

इस घटना को लेकर संभाजीनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

स्थानीय नागरिकों की अपील

परळी में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर नागरिकों में डर का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि इस तरह की वारदातों पर लगाम लगाई जा सके।

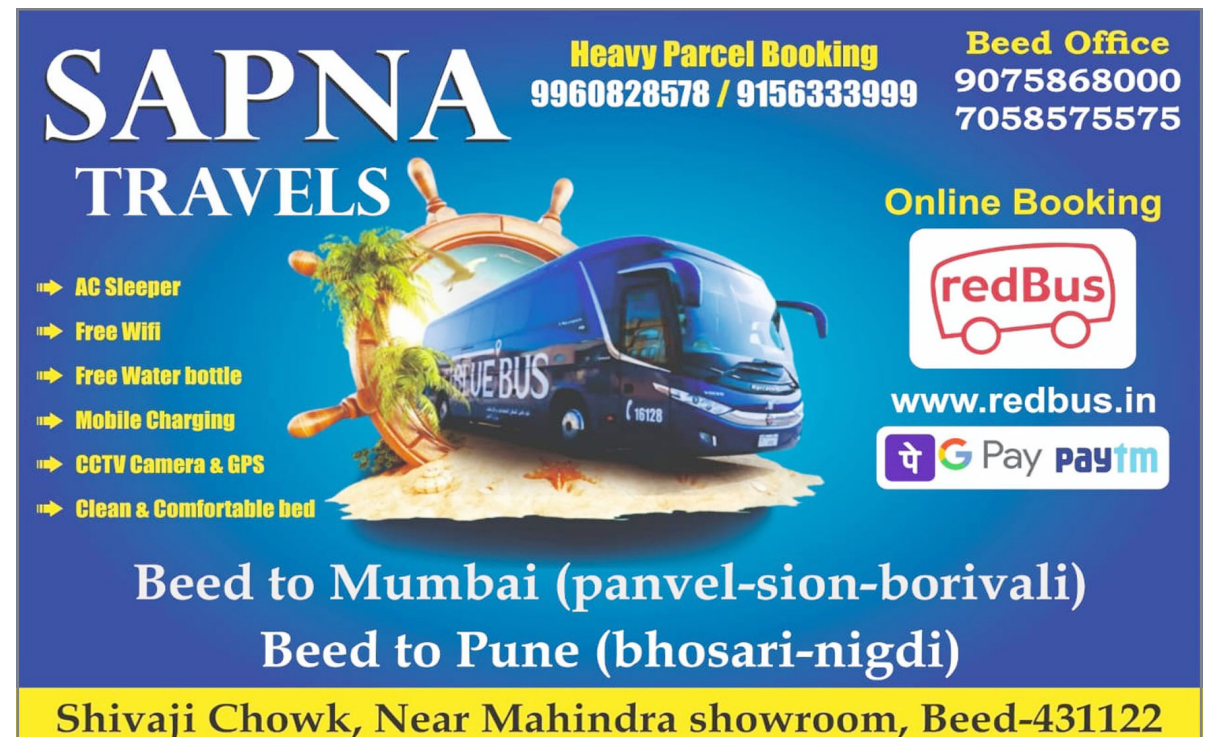

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com